Firing in Rangat, Middle andaman

1823. SHRI ERA. ANBARASU:
SHRI MOHAMMAD ASRAR AHMAD:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there was a Police firing on school students in Rangat in Middle Andaman on 28 January, 1983;

(b) whether some students died in the police firing and many other were injured;

(c) if so, the number of students who died and the number of students injured and the relief given to their parents; and

(d) the reasons for the firing?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH): (a) to (c). Yes, Sir. Two students were killed in the firing and 11 were injured. Gratuitous relief at the rate of Rs. 10,000 has been paid to the families of each of the two deceased. Rs. 500 has been paid to each of the injured; this amount has been enhanced to Rs. 2,000

(d) A judicial enquiry has been ordered into the incident. Reasons for the firing would be known on receipt of the report.

इस्पात संयंत्रों के मजदूर संघों का मांग-पत्र

1824. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के विभिन्न इस्पात संयंत्रों में काम कर रहे मजदूर संघों द्वारा सरकार को कोई मांग-पत्र प्रस्तुत किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

इस्पात और खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एन. के. पी. साल्वे) : (क) से (ग). इस्पात उद्योग में मजूरी संबंधी समझौता । सितम्बर, 1978 को लागू हुआ था । इस समझौते की अवधि 31 अगस्त, 1982 को समाप्त हो गई है श्रमिकों के श्रमिक-संघों ने मजूरी संबंधी समझौते के बारे में फिर से बातचीत करने के लिए "सेल" को अपना मांग-पत्र प्रस्तुत किया था । मांग-पत्र में न्यूनतम मजूरी, मंहगाई भत्ता, सवारी भत्ता, बोनस, आवास, परिवहन आदि जैसी कई मांगे शामिल हैं । इस्पात उद्योग के लिए राष्ट्रीय संयुक्त समिति, जिसमें श्रमिक संघों और इस्पात कारखानों के प्रतिनिधि शामिल हैं, में इन मांगों के बारे में बातचीत चल रही है । मजूरी संबंधी समझौते के बारे में सरकार इस्पात उद्योग के श्रमिकों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत नहीं करती है ।

देश में कोकिंग कोल का आयात

1825. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोकिंग कोल का आयात किया जाना है ;

(ख) यदि हां, तो 1982-83 के दौरान आयातित कोयले के बारे में ब्यौरा क्या है :

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने कोकिंग कोल का उत्पादन बढ़ाने हेतु नई योजना बनाई है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एन. के. पी. साल्वे) : (क) जी हां ।

(ख) अप्रैल 1982 से जनवरी, 1983 की अवधि में स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि. ने 11.5 लाख टन कोकिंग कोयले का आयात किया है ।

(ग) और (घ). जी हां । इस्पात कारखानों में इस्तेमाल करने के लिए बढ़िया व मध्यम किस्म के कोकिंग कोयले की सप्लाई में वृद्धि करने के लिए सरकार ने दो नई